माध्यमिक अंग्रेज़ी

TESS India

अंग्रेजी में स्वतंत्र लेखन को प्रोत्साहन

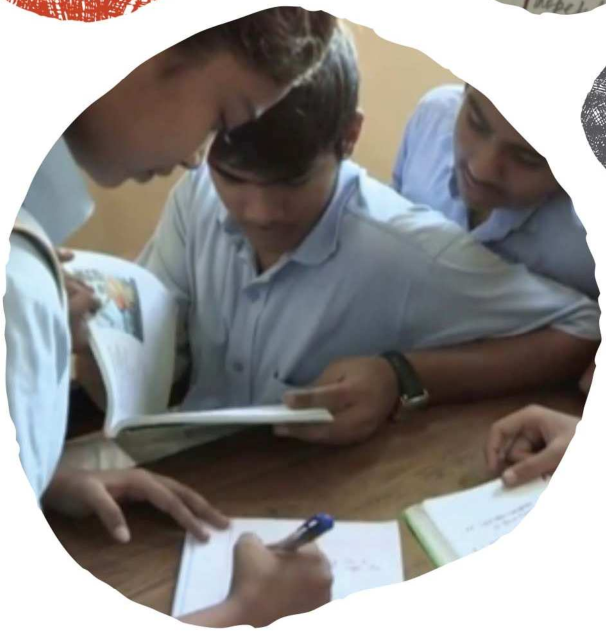

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

The Open University

UKaid from the British people

CC BY SA

http://creativecommons.org/licenses/

TESS-India (स्कूल-आधारित समर्थन के ज़रिए अध्यापकों की शिक्षा) का उद्देश्य है छात्र-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों के विकास में शिक्षकों की सहायता के लिए मुक्त शिक्षा संसाधनों (OER) के प्रावधानों के माध्यम से भारत में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों की कक्षा परिपाटियों में सुधार लाना। TESS-India OER शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। वे शिक्षकों के लिए अपनी कक्षाओं में अपने छात्रों के साथ प्रयोग करने के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं, जिनमें यह दर्शाने वाले केस स्टडी भी शामिल रहते हैं कि अन्य शिक्षकों द्वारा उस विषय को कैसे पढ़ाया गया, और उनमें शिक्षकों के लिए अपनी पाठ योजनाएँ तैयार करने के लिए तथा विषय संबंधी ज्ञान के विकास में सहायक संसाधन भी जुड़े रहते हैं।

TESS-India OER को भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किया गया है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध हैं (http://www.tess-india.edu.in)। OER भाग लेने वाले प्रत्येक भारतीय राज्य के लिए उपयुक्त, कई संस्करणों में उपलब्ध हैं और उपयोगकर्ताओं को इन्हें अपनाने तथा अपनी स्थानीय जरूरतों एवं संदर्भों की पूर्ति के लिए उनका अनुकूलन करने के लिए और स्थानीयकरण करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ निम्नलिखित आइकॉन दिया गया है: 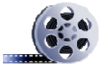 *यह दर्शाता है कि आपको विशिष्ट शैक्षणिक थीम के लिए TESS-India के वीडियो संसाधनों को देखने में इससे मदद मिलेगी।*

TESS-India के वीडियो संसाधन भारत में विभिन्न प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में प्रमुख शैक्षणिक तकनीकों का सचित्र वर्णन करते हैं। हमें उम्मीद है कि वे आपको इसी तरह के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। इन्हें पाठ-आधारित इकाइयों के माध्यम से आपके कार्य अनुभव में इज़ाफ़ा करने और बढ़ाने के लिए रखा गया है, लेकिन अगर आप उन तक पहुँच बनाने में असमर्थ रहते हैं तो बता दें कि वे उनके साथ एकीकृत नहीं हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को TESS-India की वेबसाइट http://www.tess-india.edu.in/ पर ऑनलाइन देखा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है)। विकल्प के तौर पर, आप इन वीडियो तक सीडी या मेमोरी कार्ड द्वारा भी पहुँच बना सकते हैं।

संस्करण *2.0 SE06v1*
All India - Hindi

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: *http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/*

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

माध्यमिक विद्यालय के छात्रों से विभिन्न पाठों को अंग्रेजी में लिखने की अपेक्षा की जाती है। इसमें सीखे जाने वाले शब्दों; व्याकरण संबंधी नोट्स, या बोध संबंधी प्रश्नों के उत्तरों जैसे वाक्यों; से लेकर अधिक लंबे पाठ, रचनाएं, कहानियाँ, पत्र, रिपोर्टें, आवेदन पत्र इत्यादि शामिल हो सकते हैं। इस प्रकार के पाठों में छात्रों को स्वयं के विचारों और भाषा का उपयोग करते हुए लेखन के माध्यम से स्वयं को व्यक्त कर पाना आवश्यक होना चाहिए। तथापि, छात्र जो कुछ लिखते हैं वह प्रायः पाठ्यपुस्तक या ब्लैकबोर्ड से नकल किया जाता है, अथवा वे बोलकर लिखवाए गए या याद किए गए उत्तर लिख देते हैं। अधिकांश छात्र पाठों की रचना *स्वयं* नहीं करते हैं।

यद्यपि इस नकल और याद करने से कुछ छात्रों को परीक्षा में मदद मिल सकती है, परन्तु उन्हें उन कौशलों को विकसित करने में मदद नहीं मिलती है जिनकी उन्हें असली जीवन के प्रयोजनों के लिए स्वतंत्र रूप से अंग्रेजी में लिखने के लिए जरूरत पड़ती है। स्वतंत्र रूप से लिखने में आपके छात्रों द्वारा किसी बात को सूचित करने के लिए अपने विचारों और अपनी भाषा का उपयोग करना शामिल होता है। यह एक ऐसा कौशल है जो उनके भविष्य के निजी और व्यावसायिक जीवन के लिए उपयोगी होगा। इसके अलावा, भावनाओं और विचारों के बारे में लिखने से आपके छात्रों को आलोचनात्मक और कल्पनाशील ढंग से सोचने का अवसर मिलता है। छात्र स्वतंत्र रूप से लिखने के कौशलों और आत्मविश्वास को विकसित करेंगे यदि उन्हें अपने विचारों के बारे में बात करने और उनके बारे में बोलने तथा लिखने का अभ्यास करने के बहुत सारे अवसर मिलें। उनका ‘अच्छी’ भाषा के उदाहरणों को देखना – और उनकी नकल करना – पर्याप्त नहीं है। स्वयं को व्यक्त करने का प्रयास करके छात्र बेहतर लेखक भी बन सकते हैं।

यह इकाई दो कार्यनीतियों का अध्ययन करती है जिनका उपयोग आप अपने छात्रों को नकल करने और याद करने से हटकर स्वयं के लेखों की रचना करने में मदद करने के लिए सकते हैं:

- चुने गए विषय पर छात्रों की बातचीत को सुगम बनाना। एक दूसरे से और आपसे बातचीत करके छात्र अपने विचारों को साझा और विकसित करते हैं। इससे उन्हें अपने विचारों को लिखकर व्यक्त करने के लिए भाषा **का** अभ्यास करने और प्रयोग करने का भी अवसर मिलता है।
- छात्रों को स्वतंत्र रूप से लिखने के अध्यापन में उन्हें ऐसी भाषा सुलभ कराना शामिल होता है जिसके आधार पर वे अपने लेखन को विकसित सकते हैं।

जब छात्र स्वतंत्र रूप से लिखते हैं, तो उनसे गलतियाँ होती हैं। यह भाषा सीखने की प्रक्रिया का सामान्य भाग है। गलतियों को देखकर और उन्हें रिकार्ड करके, आप अपनी सकारात्मक और प्रोत्साहक प्रतिक्रिया के माध्यम से छात्रों के सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी ढंग से निर्देशित कर सकते हैं।

आप इस इकाई में क्या सीख सकते हैं

- छात्रों के लेखन के विकास में सहायता के लिए छात्रों की बातचीत को सुगम बनाना।
- छात्रों के लेखन के लिए प्रतिमान सुलभ कराना।
- आपके छात्रों के लेखन कार्य में सुधार करने के उपाय।

1 छात्र लेखन में सहायता के लिए चर्चा का उपयोग करना

छात्रों से अंग्रेजी के किसी अध्याय या गद्यांश के बारे में बोध संबंधी प्रश्नों के उत्तर लिखने की अपेक्षा की जाती है जैसा निम्नलिखित उदाहरण में दर्शाया गया है। कक्षा 8 के छात्र NCERT’ की पाठ्यपुस्तक Honeydew से लिए गए पाठ ‘The Summit Within’ का अध्ययन करते हैं जो एवरेस्ट पर्वत के शीर्ष पर पहुँचने वाले किसी व्यक्ति के बारे में है। पाठ को पढ़ने के बाद, उनसे निम्न प्रश्नों का उत्तर देने की अपेक्षा की जाती है:

Answer the following questions:

(i) What are the three qualities that played a major role in the author’s climb?

(ii) Why is adventure, which is risky, also pleasurable?

(iii) What was it about Mount Everest that the author found irresistible?

(iv) One does not do it (climb a high peak) for fame alone. What does one do it for, really?

(v) ‘He becomes conscious in a special manner of his own smallness in this large universe.’ This awareness defines an emotion mentioned in the first paragraph. What is this emotion?

(vi) What were the ‘symbols of reverence’ left by members of the team on Everest?

(vii) What, according to the writer, did his experience as an ‘Everester’ teach him?

विचार के लिए रुकें

- क्या आपने यह अध्याय पढ़ाया है? यदि हाँ, तो क्या आपने इन प्रश्नों का उत्तर देने में अपने छात्रों की मदद की है? यदि आपने अध्याय नहीं पढ़ाया है, तो प्रश्नों का उत्तर अपने शब्दों में देने में आप छात्रों की मदद कैसे करेंगे?
- कुछ शिक्षक छात्रों से उत्तरों की नकल ब्लैकबोर्ड से करने को कहते हैं। लेकिन जब छात्र ऐसा करते हैं, तो यह जानना कठिन होता है कि उन्होंने प्रश्न या पाठ को समझ लिया है या नहीं। केवल इसलिए कि छात्र वाक्यों या अनुच्छेदों की नकल कर सकते हैं, इसका मतलब यह नहीं होता कि वे जो लिख रहे हैं उसे समझते हैं। साथ ही, नकल करते समय, छात्र अंग्रेजी का अधिक अभ्यास नहीं करते हैं। इससे उनकी वर्तनी (स्पेलिंग) सुधारने में मदद मिल सकती है, किंतु वे इस बारे में नहीं सोचते हैं कि भाषा कैसे काम करती है। यदि छात्र स्वयं अपने वाक्य और पाठ लिखते हैं, तो उन्हें व्याकरण – कालों और संरचनाओं – और शब्दावली के बारे में सोचना पड़ेगा। वे जो कुछ कहना चाहते हैं उसके *अर्थ* पर ध्यान केंद्रित करते हैं, और इससे भाषा का स्वतंत्र रूप से उपयोग करने में सक्षम होने में उन्हें सहायता मिलती है।

इस तरह के प्रश्नों के प्रति अपने उत्तर लिखने में छात्रों की मदद करने का एक तरीका है उन्हें प्रश्नों पर चर्चा करने देना। जब आप अपने छात्रों को इससे पहले कि वे उत्तर लिखें, जोड़ियों या समूहों में प्रश्नों पर चर्चा करने के लिए समय देते हैं, तो उन्हें, एक दूसरे से सीखते हुए, एक दूसरे को वह समझाना होता है कि उन्होंने क्या सीखा बातचीत करने और सोचने के लिए समय की उपलब्धि और सहपाठियों के साथ चर्चा करने से आपके छात्रों को स्वतंत्र रूप से वाक्य लिखने के लिए पहले कदम उठाने में मदद मिल सकती है।

वीडियो: सीखने के लिए बातचीत

2 समूहकार्य के माध्यम से विचारों पर चर्चा करना

यदि छात्र अपने आप लिखने के आदी नहीं हैं तो उनसे ऐसा करने को कहना काफी बड़ा कदम हो सकता है। लेकिन छोटे समूहों में काम करके, छात्र पाठ को समझने, अपने विचारों को विकसित करने और भाषा का अभ्यास करने में एक दूसरे की सहायता कर सकते हैं जिसका उपयोग वे फिर अपने लिखित उत्तरों में कर सकते हैं।

गतिविधि 1: कक्षा में आजमाएं – पाठ्यपुस्तक के प्रश्नों का उत्तर समूहों में देना

NCERT की पाठ्यपुस्तक Honey dew से लिए गए पाठ ‘The Summit Within’ के गद्यांश में छात्रों से कई बोध संबंधी प्रश्नों के उत्तर अंग्रेजी में देने की अपेक्षा की जाती है।

अगली बार जब आप इस तरह की गतिविधि वाला कोई अध्याय पढ़ाएं, तब अपने छात्रों से अध्याय के अंत में बोध संबंधी प्रश्नों का उत्तर समूहों में देने को कहें। इससे उन्हें एक दूसरे के साथ विचारों को विकसित करने और प्रश्नों का मिलकर उत्तर देने के लिए भाषा खोजने का अवसर मिलेगा।

1. कक्षा में, छात्रों को चार के समूहों में बाँटें। यदि वे बेंचों पर बैठे हैं, तो पहली बेंच के छात्रों को पीछे की ओर घूमने को कहें ताकि वे दूसरी बेंच पर बैठे छात्रों के सम्मुख हो जायं। ऐसा ही अन्य पंक्तियों के साथ दोहराएं ताकि बिना अधिक शोर के समूह बन जाएं। प्रत्येक समूह से एक छात्र को ‘सेक्रेटरी’

बनने के लिए कहें जो उत्तर लिखता है। समूहकार्य के विषय में अधिक जानने के लिए देखें संसाधन 1 देखें ।

2. छात्रों से प्रश्नों के प्रति अपने उत्तरों पर चर्चा करने और उन्हें लिखने को कहें। उन्हें बताएं कि उन्हें अध्याय से सीधे वाक्यों की नकल नहीं करनी चाहिए। इस काम के लिए उन्हें एक समय सीमा दें (उदाहरण के लिए, दस मिनट)।
3. समूहों के आस–पास घूमें और उनके काम की निगरानी करें। इससे सुनिश्चित होता है कि छात्र समझें कि वे क्या कर रहे हैं, और समस्याओं पर चर्चा करने में अधिक आश्वस्त महसूस करें। सुनिश्चित करें कि सभी छात्रों को चर्चा में योगदान करने का अवसर मिले।
4. जब वे काम पूरा कर लें, तब दो या तीन समूहों से एक प्रतिनिधि से उत्तर को ऊँची आवाज में पढ़ने को कहें। सम्पूर्ण कक्षा के साथ उत्तरों पर, और उन्हें कैसे सुधारा जा सकता है, इस बात पर चर्चा करें। यदि संभव हो, तो प्रत्येक समूह के प्रश्नों और उत्तरों की जाँच करें।

वीडियो: समूहकार्य का उपयोग करना

विचार के लिए रुकें

- इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके सोचने के लिए यहाँ एक प्रश्न है। यदि संभव हो, तो किसी सहकर्मी के साथ इस प्रश्न पर चर्चा करें।

पाठ के बाद, अपने छात्रों की सीखने की प्रक्रिया के बारे में सोचें। क्या वह गतिविधि छात्रों को सीखी गयी बातों को एक दूसरे को बताने में संलग्न रखती है ?

पाठ्यपुस्तक के गद्यांशों के बारे में प्रश्नों का उत्तर देने के लिए छात्रों से मिलकर काम कराने से उन्हें इन प्रश्नों के लिए उत्तर लिखने के कौशलों और आत्मविश्वास का निर्माण करने में मदद मिल सकती है। छात्रों की समझ को आगे बढ़ाने का एक तरीका है उनसे पाठ के बारे में स्वयं अपने बोध संबंधी प्रश्नों की रचना करने को कहना।

गतिविधि 2: कक्षा में आजमाएं – पाठ के बारे में प्रश्न और उत्तर लिखने में छात्रों की मदद करना

आप इस गतिविधि को किसी भी अध्याय या गद्यांश, और किसी भी कक्षा के साथ आजमा सकते हैं।

1. गतिविधि 1 की तरह समूहकार्य को स्थापित करें।
2. अलग अलग समूहों से पाठ के अलग अलग अनुच्छेद पढ़ने को कहें। उदाहरण के लिए, समूह 1 पहले दो अनुच्छेदों को देख सकता है; समूह 2 तीसरे और चौथे अनुच्छेद पढ़ सकता है; इत्यादि। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता यदि कई समूह समान अनुच्छेदों को देख रहे हैं।
3. प्रत्येक समूह से उनके द्वारा पढ़े गए पाठ के खंड के बारे में तीन प्रश्न लिखने को कहें – इन प्रश्नों को पाठ के बारे में छात्रों की समझ की परख करनी चाहिए। समूहों में काम शुरू करने से पहले सारी कक्षा को आपके वाँछित प्रश्नों के प्रकार के कुछ उदाहरण दें। गतिविधि के लिए समय सीमा दें (उदाहरण के लिए, दस मिनट)।
4. छात्रों से अपने प्रश्नों और उन प्रश्नों के सही उत्तरों पर चर्चा करने को कहें। समूह के सेक्रेटरी से ये प्रश्न और उत्तर लिखवाएं।
5. जब छात्र अपने प्रश्न लिखना समाप्त कर लें, तब समूहों से अपने प्रश्नों की अदलाबदली करने को कहें, ताकि हर समूह को उनके द्वारा लिखे गए प्रश्नों से अलग प्रश्नों का सेट मिले।
6. छात्रों से चर्चा करने और प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें। उन्हें बताएं कि उन्हें पाठ्यपुस्तक से उत्तरों की नकल नहीं करनी चाहिए। एक बार फिर, उन्हें समय सीमा दें।
7. समूहों के इर्दगिर्द घूमें और उनके काम की निगरानी करें। इससे सुनिश्चित होता है कि छात्र समझते हैं कि वे क्या कर रहे हैं और समस्याओं पर चर्चा करने के बारे में अधिक आश्वस्त महसूस करते हैं।
8. दो या तीन समूहों से एक या दो प्रश्नों और उत्तरों को ऊँची आवाज में पढ़ने को कहें; उत्तरों पर, और उन्हें कैसे सुधारा जा सकता है, इस बात पर चर्चा करें। यदि संभव हो, तो प्रत्येक समूह के प्रश्नों और उत्तरों की जाँच करें।

विचार के लिए रुकें

- यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों किसी सहकर्मी के साथ चर्चा करें।
- पाठ के बाद, अपने छात्रों की सीखने की प्रक्रिया के बारे में सोचें। क्या कुछ ऐसे समूह थे जिन्हें प्रश्न लिखना कठिन लगा? अगली बार जब आप यह अभ्यास करेंगे तब आप उनकी मदद कैसे करेंगे?

ऐसे तरीके उपलब्ध हैं जिनसे आप अपने छात्रों को उनके उत्तर लिखने के लिए आवश्यक कुछ भाषा उन्हें देकर उनकी मदद कर सकते हैं। आप निम्नलिखित केस स्टडी में इसके बारे में अधिक जानेंगे।

केस स्टडी 1: श्री सिंह बोध संबंधी प्रश्नों के साथ छात्रों की चर्चा का उपयोग करते हैं।

श्री सिंह कक्षा 8 को अंग्रेजी पढ़ाते हैं। हाल ही में उन्होंने अध्याय से नकल किए बिना बोध संबंधी प्रश्नों के उत्तर देने में अपने छात्रों की मदद करने की तकनीक आजमाई, और इसमें उनके छात्रों से समूहों में काम करवाना शामिल था। वह अध्याय 'The Summit Within' जो कि NCERT की कक्षा 8 की पाठ्य पुस्तक Honeydew से लिया गया था।

एक पठन-पूर्व अभ्यास करने के बाद, हमने गद्यांश 'The Summit Within' मिलकर पढ़ा। जब हमने काम समाप्त किया, मैंने पहले छात्रों से पूछा कि पाठ किस बारे में था ताकि इस बात की सामान्य जानकारी हो सके कि उन्होंने पाठ समझा था या नहीं। फिर मैं पठनोपरान्त गतिविधि की ओर बढ़ा, जिसमें अध्याय के अंत के बोध संबंधी प्रश्नों का उत्तर देना शामिल था। मैंने तय किया कि पहले प्रश्न का उत्तर हम सब मिलकर एक कक्षा के रूप में देंगे।

मैंने अपने छात्रों से पहला बोध संबंधी प्रश्न पढ़ने को कहा: 'What are the three qualities that played a major role in the author's climb?' मैंने उनसे प्रश्न का अनुवाद करने को कहकर सुनिश्चित किया कि वे उसे समझ सकते थे। फिर मैंने अपने छात्रों को उत्तर शुरू करने के लिए उपयोगी वाक्यांशों की एक सूची दी, जैसे: 'The three qualities that played a major role are …'.

मैंने उनसे पहला अनुच्छेद पढ़ने और उन वाक्यों को रेखांकित करने को कहा जिनमें उत्तर मौजूद था। छात्रों ने निम्नलिखित को रेखांकित किया:

> The simplest answer would be, as others have said, 'Because it is there.' It presents great difficulties. Man takes delight in overcoming obstacles. The obstacles in climbing a mountain are physical. A climb to a summit means endurance, persistence and will power.

मैंने उनसे ठीक उन्हीं शब्दों को ढूंढने को कहा जो उन तीन गुणों का वर्णन करते थे। अधिकांश छात्रों ने उत्तर दिया 'endurance', 'persistence' और 'will power', लेकिन कुछ ने मुझसे पूछा कि क्या 'overcoming obstacles' एक और महत्वपूर्ण बिंदु नहीं था।

मैं खुश था कि छात्र अपनी खोज को उन सबसे उपयुक्त शब्दों तक सीमित कर सके जो प्रश्न का उत्तर दे सकते थे। तब मैंने उनसे तीन गुणों की उनकी सूची में 'overcoming obstacles' को शामिल करने का तरीका खोज निकालने को कहा।

मैंने उन्हें दिखाया कि बिंदुओं को संगठित करके एक सही आरंभ और अंत वाला उपयुक्त उत्तर कैसे प्राप्त करना चाहिए। मैंने यह भी सुनिश्चित किया कि वे उत्तर लिखते समय क्रिया के काल में परिवर्तन को भी नोट करें: 'are' बदल कर 'were' हो जाएगा, इत्यादि। वाक्यों में आवश्यक परिवर्तन करने के बाद, उन्हें जो प्राप्त हुआ वह यह है:

> The three qualities that played a major role in the author's climb were endurance, persistence and will power for overcoming obstacles.

मैंने उन्हें उसी उत्तर को लिखने के अन्य तरीके दिखाए, जैसे:

> Endurance, persistence and will power for overcoming obstacles were the three qualities that played a major role in the author's climb.

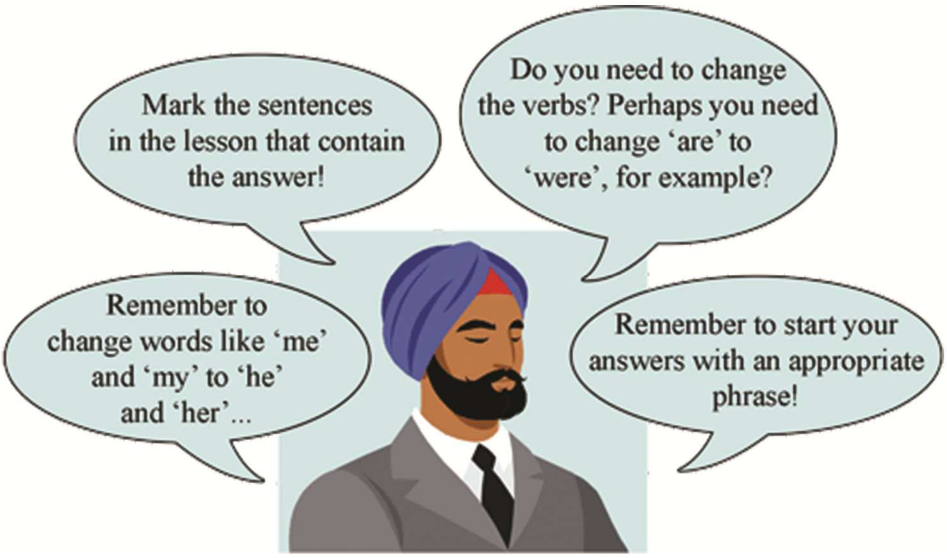

मैं चाहता था कि कक्षा शेष प्रश्नों के उत्तर समूहों में दे। मैंने कक्षा से चार के समूहों में काम करने, और मिलकर काम करके शेष प्रश्नों के उत्तरों की रचना करने को कहा। मैंने उनके उत्तरों में उपयोग करने के लिए उन्हें अध्याय से कुछ शब्द और वाक्यांश दिए। लेकिन मैंने उन्हें याद दिलाया कि उन्हें उनके अपने

शब्दों का उपयोग करना चाहिए, और सीधे अध्याय से वाक्यों की नकल नहीं करनी चाहिए। मैंने उन्हें अपने उत्तर लिखने के लिए कुछ समय दिया, और कमरे में घूमते हुए यदि किसी छात्र को जरूरत हुई तो उसकी मदद की।

जब समय समाप्त हो गया, तो मैंने किसी अलग समूह से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देने को कहा। समूह ने जो उत्तर दिया मैंने उसे ब्लैकबोर्ड पर लिखा और हमने चर्चा की कि वह प्रश्न का उत्तर है या नहीं, और क्या समूह ने अपने उत्तरों को पूरा करने के लिए पाठ से लिए गए अपने लिए जरूरी महत्वपूर्ण शब्दों और वाक्यांशों के अलावा स्वयं अपने शब्दों का उपयोग किया था या नहीं। समूह द्वारा की गई किसी भी गलती को भी मैंने सुधारा।

कक्षा के समाप्त होने तक, मेरे छात्र प्रश्नों का उत्तर देने का काम बेहतर ढंग से करने लगे थे। मैंने वास्तव में देखा कि चर्चा और उत्तरों के साथ जरा सी मदद से, छात्र गतिविधि को करने में काफी अधिक सक्षम हो गए थे, और उन्हें अपने आप पर भी विश्वास होने लगा था।

3 भाषा का प्रतिमान बनाकर स्वतंत्र रूप से लिखने में छात्रों की सहायता करना।

केस स्टडी 1 में, शिक्षक ने उत्तर का प्रतिमान देकर और छात्रों को उनके उत्तरों की रचना करने के लिए आवश्यक कुछ भाषा देकर पाठ के बारे में प्रश्नों के उत्तर लिखने में छात्रों की मदद की। छात्रों को प्रतिमान या लिखने के ढाँचे देने से उन्हें स्वतंत्र रूप से लिखने के लिए जरूरी कौशलों का धीरे-धीरे विकास करने में मदद मिलती है।

यहाँ कुछ अलग अलग तरीके दिए गए हैं जिनसे आप मदद प्रदान कर सकते हैं:

- **Missing शब्द:** ऐसा पाठ प्रदान करें जिसमें से शब्द या वाक्य गायब हों, और जिन्हें छात्रों को स्वयं पूरा करना है। ऐसे शब्दों या लघु गद्यांशों को छोड़ दें जिन्हें छात्र किसी पढ़ने के लिए दिए गए गद्यांश में खोज सकते हैं। इससे छात्रों को बहुत सहायता मिलती है, और यह सुविख्यात कहानियों या अध्याय के सारांशों के साथ उपयोगी होता है, उदाहरण के लिए:

  Anne Frank had a father, a mother and ________. She was born in ________ in ________. The family emigrated to ________, and she went to ________.

- **प्रतिमान:** कोई पूरा पाठ प्रदान करें जिसे छात्र अपने स्वयं के संदर्भों के अनुसार बदल सकते हैं। उदाहरण के लिए, अपनी माँ या पिता का विवरण दें, और छात्रों से उनकी माँ या पिता का वर्णन करने के लिए मुख्य शब्दों को बदलने को कहें। जो छात्र लिखने में अधिक आश्वस्त हों वे अधिक परिवर्तन कर सकते हैं और अपनी स्वयं की भाषा का अधिक उपयोग कर सकते हैं।

- **लिखने के ढाँचे:** पाठयवस्तु का कोई ऐसा लिखित ढाँचा प्रदान करें जो छात्रों को अनुसरण करने के लिए एक संरचना देता है: उदाहरण के लिए, कोई औपचारिक पत्र। आप छात्रों को अधिक जानकारी देकर उनकी अधिक सहायता कर सकते हैं: वाक्य, वाक्यों के संकेत, महत्वपूर्ण शब्दावली

इत्यादि। जब छात्र औपचारिक पत्र लिखने से अधिक परिचित हो जाएं, तो आप उनकी सहायता को कम कर सकते हैं (नमूना लेखन ढाँचे के लिए देखें संसाधन 2)।

अब इस बारे में पढ़ें कि एक शिक्षक अगली केस स्टडी में Missing शब्द' तकनीक का उपयोग कैसे करता है।

केस स्टडी 2: श्रीमती मिश्रा लंबी पाठयवस्तु को लिखने में अपने छात्रों की सहायता करती हैं

श्रीमती मिश्रा कक्षा 9 को अंग्रेजी पढ़ाती हैं। उन्होंने हाल ही में अंग्रेजी में स्वतंत्र रूप से लिखने में अपने छात्रों की मदद करने के लिए एक गतिविधि का प्रयोग किया जिसमें उन्होंने अध्याय के अंत में एक लेखन गतिविधि करने के लिए जरूरी भाषा देकर उनकी सहायता की।

उस अध्याय के अंत में जिसका हम अध्ययन कर रहे थे (NCERT Class IX textbook *Beehive*), में एक लेखन कार्य था:

> Pets have unique care and handling requirements and should only be kept by those with the commitment to understand and meet their needs. Give your argument *in support of* or *against* this statement.

मैं जानती थी कि मेरे अधिकतर छात्रों के लिए यह अनुच्छेद लिखना बहुत कठिन होगा – सबसे पहले तो, उन्हें यह भी पता नहीं होगा कि क्या कहें! इसलिए मैंने अपने छात्रों से इस बात पर चर्चा करते हुए कुछ मिनट बिताने को कहा कि पालतू जानवरों की जरूरतें क्या होती हैं। इससे उन्हें इस बारे में कुछ विचार उत्पन्न करने का मौका मिला कि वे क्या लिखना चाहते हैं। जब वे बात कर रहे थे, तब मैंने बोर्ड पर निम्नलिखित वाक्य लिखे:

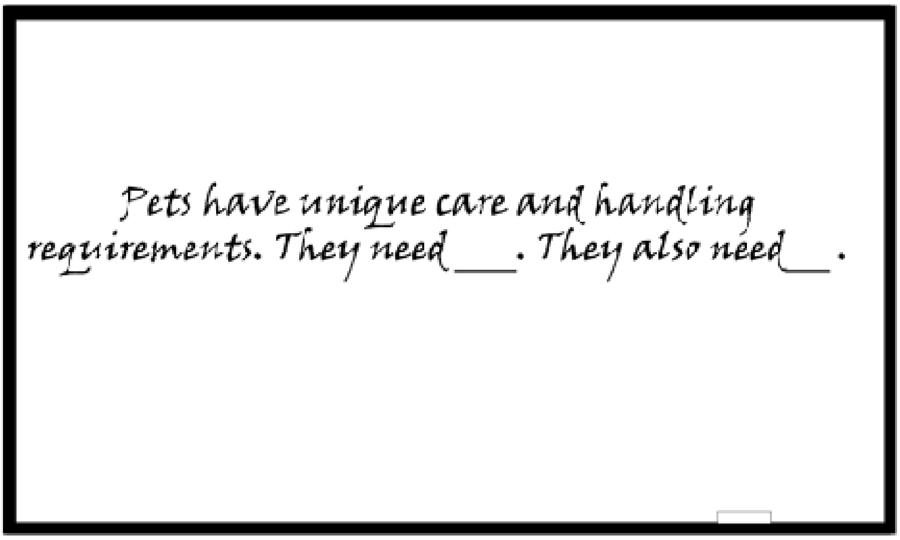

यह काम पूरा कर लेने के बाद, मैंने छात्रों से कुछ सुझाव देने को कहा। कुछ छात्रों ने अपने हाथ उठाए और सुझाव दिया कि जानवरों को भोजन, पानी और यदि वे बीमार हों तो उनकी देखभाल करने वाले किसी व्यक्ति की जरूरत पड़ती है। तब मैंने बोर्ड पर कुछ और वाक्य लिखे।

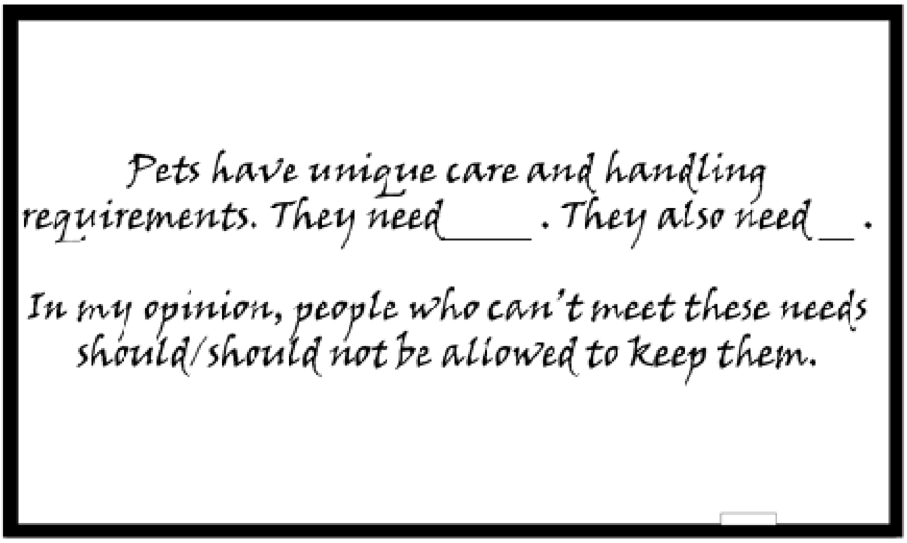

मैंने अपनी कक्षा से कहा कि जो ये सोचते हैं कि ऐसे लोग जो पालतू जानवरों की जरूरतें पूरी नहीं कर सकते उन्हें भी जानवर पालने की अनुमति होनी चाहिए, वे अपने हाथ खड़े करें। कुछ ही छात्रों ने अपने हाथ उठाएं – बस कुछ ही। मैंने प्रजित से पूछा वह ऐसा क्यों सोचता है। उसने कहा शायद लोग सभी जरूरतें पूरी नहीं कर सकते पर संभव है कि वे कुछ जरूरतें पूरी कर सकते हों, और यह जानवर के लिए कुछ भी न होने से बेहतर ही होगा। उसने यह बात अपनी घरेलू भाषा में कही, इसलिए मैंने कक्षा के अन्य छात्रों से पूछा कि क्या वे इसे अंग्रेजी में कहने में उसकी मदद कर सकते हैं। उन लोगों ने मिलकर एक उत्तर तैयार किया।

तब मैंने कक्षा से अपने हाथ उठाने को कहा कि क्या वे सोचते हैं कि केवल उन लोगों को पालतू जानवर रखने की अनुमति होनी चाहिए जो उनकी जरूरतें पूरी कर सकते हैं। अधिकांश छात्रों ने अपने हाथ उठाए। उन्होंने सोचा कि अगर वे ऐसा नहीं करेंगे तो यह पालतू जानवरों के साथ अन्याय होगा। देवांग सोचता था कि पालतू जानवर परिवार के सदस्यों जैसे होते हैं। मैंने अपने विचार प्रकट करने के लिए उसकी प्रशंसा की और फिर यह बात अंग्रेजी में कहने में उसकी सहायता की। अब मैंने एक और वाक्य जोड़ा:

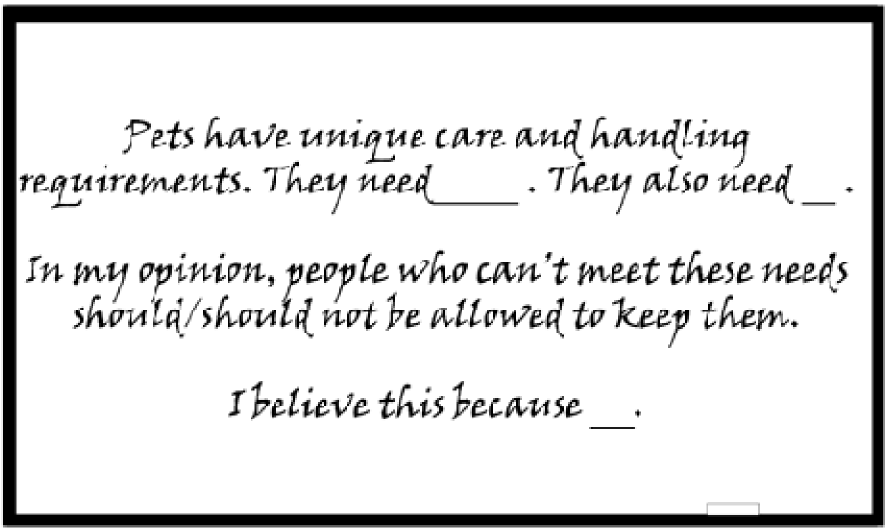

अब ब्लैकबोर्ड पर एक मॉडल अनुच्छेद था। मैंने छात्रों से अनुच्छेद को लिखने और उसे अपनी कल्पनाओं और विचारों से पूरा करने को कहा। जब छात्र काम कर रहे थे तब किसी भी प्रश्न के उत्तर तक पहुंचने में मदद के लिए और जहाँ मुझसे हो सका गलतियों को सुधारने के लिए मैं कक्षा में घूमती रही। अंत में, प्रत्येक छात्र ने एक अनुच्छेद लिखा था, और मैंने अधिक आश्वस्त छात्रों को अधिक लिखने, और अधिक कारण देने के लिए प्रोत्साहित किया। मैंने एक या दो छात्रों से अपने अनुच्छेद पढ़कर सुनाने को कहा। इसके परिणामस्वरूप पशु कल्याण के बारे में एक काफी दिलचस्प चर्चा हुई। मैंने कभी अपेक्षा नहीं की थी कि छात्र इतने सारे रोचक विचार प्रस्तुत करेंगे। उन्हें सहायता प्रदान करने से, वे अपने विचारों को अंग्रेजी में व्यक्त करने में सक्षम हो गए थे। इस प्रकार की गतिविधियाँ (मेरे छात्रों के लेखन को सुधारने में) निश्चित रूप से सहायता कर रही हैं, इसलिए मैं उनका प्रयोग करना जारी रखूँगी। [अपने छात्रों की सहायता करने पर अधिक जानकारी के लिए, देखें संसाधन 3।]

वीडियो: निगरानी करना और फीडबैक देना

गतिविधि 2: कक्षा में आजमाएं – किसी लंबे पाठ को स्वतंत्र रूप से लिखने में अपने छात्रों की सहायता करना

यह गतिविधि अधिक लंबा पाठ लिखने में आपके छात्रों की सहायता करती है। आप इसे किसी भी कक्षा के साथ उपयोग में ला सकते हैं।

1. अपनी पाठ्यपुस्तक से कोई लेखन कार्य चुनें या कोई लेखन कार्य बनाएं। उदाहरण के लिए, आप कोई कहानी अथवा कहानी या अध्याय का सारांश; कोई औपचारिक या अनौपचारिक पत्र; किसी अखबार या पत्रिका से कोई रिपोर्ट या लेख; कोई आवेदन पत्र; किसी चीज के बारे में विचार प्रकट करता कोई अनुच्छेद; या संभवतः कोई वर्णन चुन सकते हैं।
2. कक्षा के सम्मुख, लेखन कार्य करने में आपके छात्रों की मदद करने के लिए ऊपर वर्णित तकनीकों में से एक का चयन करें। आपके छात्रों के स्तर और आपके द्वारा चुनी गई तकनीक पर निर्भर करते हुए, आप छूटे हुए शब्दों वाला कोई पाठ, कोई प्रतिमान या कोई लेखन ढाँचा तैयार करेंगे। आप इसे चार्ट पेपर की एक बड़ी शीट पर लिख सकते हैं और उसे ब्लैकबोर्ड पर चिपका सकते हैं, या संभव हो तो उसे कक्षा के सम्मुख ब्लैकबोर्ड पर लिख सकते हैं।
3. अपने छात्रों से आपके द्वारा मार्गदर्शक के रूप में तैयार किए गए संसाधन का उपयोग करते हुए लेखन कार्य को शुरू करने को कहें। जब छात्र काम कर रहे हों, तब जरूरत होने पर मदद करने के लिए कमरे में घूमें। अपने छात्रों को एक समय सीमा दें।
4. जब वे तैयार हो जाएं, तो दो या तीन छात्रों से अपना काम पढ़कर सुनाने को कहें। शेष कक्षा को सुनकर यह देखना चाहिए कि क्या उन्होंने ऐसा ही कुछ या इससे अलग लिखा है। अन्य छात्रों से टिप्पणियाँ करने और जोड़ने को कहें।

विचार के लिए रुकें

यहाँ इस गतिविधि का प्रयोग करने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों पर किसी सहकर्मी के साथ चर्चा करें।

इस गतिविधि को अपने छात्रों के साथ प्रयोग करने के बाद, निम्नलिखित प्रश्नों के बारे में सोचें:

- क्या उन्हें यह आसान या कठिन लगा?
- क्या कोई सामान्य गलतफ़हमियाँ हुईं? यदि ऐसा हुआ था, तो आप भविष्य में उनकी मदद कैसे कर सकते हैं?

याद रखें कि किसी दूसरी भाषा में लिखना कठिन होता है – इसके बारे में इतना सोचना जो पड़ता है! सकारात्मक और प्रोत्साहक बनें, और अपने छात्रों को बताएं कि लिखने का तरीका सीखने के लिए उन्हें अभ्यास करने की जरूरत पड़ेगी। यदि आपके अधिकांश छात्रों को कठिनाई हुई, तो अगली बार उन्हें उनकी जरूरत की अधिक भाषा देकर उनकी सहायता करें, और क्या कहना है इस बारे में विचार देकर उनकी मदद करें। आपको इस बारे में अधिक विचार इकाई *समग्र-कक्षा लेखन दिनचर्याएं* में मिल सकते हैं।

4 अपने छात्रों के लेखन कार्य में सुधार को व्यवस्थित करना

जब छात्र स्वतंत्र रूप से लिखते हैं, तब वे उससे अधिक गलतियाँ करेंगे जो वे नकल करते समय या याद किए हुए पाठों को लिखते समय करते हैं। आपको लग सकता है कि इसका मतलब यह है कि आपके छात्र उतनी अच्छी तरह से काम नहीं कर रहे हैं। फिर भी, गलतियाँ करना भाषा को सीखने की प्रक्रिया का स्वाभाविक हिस्सा है और इस बात का संकेत है कि आपके छात्र भाषा को सीख रहे हैं और आत्मसात कर रहे हैं। आप इन गलतियों का उपयोग अपने छात्रों की भाषा को सीखने की प्रक्रिया में सहायता करने के अवसर के रूप में कर सकते हैं।

छात्रों को उनके लेखन पर सकारात्मक और प्रोत्साहक प्रतिक्रिया देने से उन्हें अपने लेखन को सीखने और सुधारने में मदद मिल सकती है। आप सोच सकते हैं कि, आपके सभी छात्रों के लिखित काम को सुधारना कठिन है, खास तौर पर यदि आपकी कक्षा बड़ी है। आपको लग सकता है कि प्रत्येक छात्र के काम को देखने

के लिए पर्याप्त समय उपलब्ध नहीं है या बहुत सारी अलग अलग गलतियों से निपटने की जरूरत है। ये सब सामान्य समस्याएं हैं जिनका सामना शिक्षक करते हैं, चाहे वे किसी भी स्तर के छात्रों को पढ़ाते हों। फिर भी, ऐसे कुछ तरीके हैं जिनसे आप छात्रों के काम को जाँचने को अधिक आसान बना सकते हैं:

- याद रखें कि हर बार जब वे लिखें तब हर छात्र के काम की जाँच करना आपके लिए जरूरी नहीं है। आप कुछ समय में कुछ छात्रों के काम को सही करने और उसकी समीक्षा करने का निश्चय कर सकते हैं। समय के बीतने के साथ, आपको हर छात्र के काम को सुधारने और उसकी समीक्षा करने का मौका मिलेगा। आकलन के उद्देश्य से अपने छात्रों के काम के रिकार्ड रखें।
- यदि लेखन के अभ्यास सरल हैं (उदाहरण के लिए, बोध संबंधी प्रश्नों या व्याकरण के अभ्यासों के लघु उत्तर), आप सही उत्तरों को ब्लैकबोर्ड पर लिख सकते हैं या उन्हें पढ़कर सुना सकते हैं और छात्र स्वयं अपने या अपने सहपाठी के काम को सही कर सकते हैं। इससे उन्हें अपने स्वयं के लेखन और उन्हें कहाँ सुधार करना है इस बात का बेहतर बोध मिलता है।
- अपने छात्रों से कभी-कभी जोड़ियों या समूहों में लेखन गतिविधियाँ करवाएं। इसका मतलब है कि छात्र अपने विचारों को साझा कर सकते हैं, और एक दूसरे की मदद कर सकते हैं। वे कोई पाठ मिलकर लिख सकते हैं, जिसका मतलब है कि आपके जाँचने के लिए काम कम होगा।
- क्योंकि हर छात्र अलग होता है और उसे कम या अधिक सहायता की जरूरत पड़ सकती है, ऐसी गलतियाँ हो सकती हैं जो आपके छात्रों के समूह में सामान्य हों – आप इन पर ध्यान देकर उनकी प्रगति में मदद कर सकते हैं। जब आपके छात्र लिख रहे हों, तब कमरे में घूमें और सामान्य गलतियाँ नोट करें। गलतियों वाले कुछ वाक्य ब्लैकबोर्ड पर लिखें (नाम बताए बिना) और अपने छात्रों से गलतियों को पहचानने और उन्हें सुधारने को कहें।
- बस कुछ गलतियों पर ध्यान केंद्रित करें – शायद एक बार कालों (Tenses) पर जोर देते हुए और दूसरी बार विराम चिह्नों या व्याकरण पर। आप अपनी समझ के अनुसार जिसे चाहें उसे प्राथमिकता देने का निश्चय कर सकते हैं। अपने छात्रों को बताएं कि आप किस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं – कोई बात नहीं यदि वे सही करने के लिए अन्य गलतियों की पहचान करते हों। सुनिश्चित करें कि उन्हें पता हो कि आप गलतियों को नज़रअंदाज नहीं कर रहे हैं।
- अपने छात्रों से उनकी नोटबुकों में उन गलतियों की एक सूची बनवाएं जो वे बार-बार करते हैं। फिर जब भी वे लिखें तब इस सूची में देख सकते हैं। इससे छात्रों को अधिक स्वतंत्र बनने में मदद मिलती है और उन्हें क्या सुधार करना चाहिए इस बात का बेहतर बोध मिलेगा। यह उन चीजों की एक त्वरित 'जाँचसूची' का काम भी कर सकती है जिन पर उन्हें अपने लेखन में सुधार करने के लिए अधिक ध्यान देने की जरूरत है।
- गलतियों की ओर सकारात्मक रूख बनाए रखें और अपने छात्रों में इसे बढ़ावा दें। गलतियाँ करने के लिए छात्रों को दंडित नहीं करें। याद रखें कि नई भाषा में लिखते समय छात्रों का गलतियाँ करना सामान्य बात है, और गलतियाँ दर्शाती हैं कि वे सीख रहे हैं। अपने छात्रों को याद दिलाएं कि हर कोई कभी न कभी गलतियाँ करता है – जिसमें आप भी शामिल हैं!
- अपने छात्रों को जितना अधिक संभव हो स्वतंत्र रूप से लिखने को प्रोत्साहित करें – और उसका आनंद लेने में उनकी मदद करें। उन्हें लिखने में और भी अधिक आनंद आएगा यदि वे देखते हैं कि इससे उन्हें विद्यालय के बाहर के जीवन में मदद मिल सकती है, और यदि उन्हें स्वयं के विचारों को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यदि वे अंग्रेजी में लिखने के महत्व को समझ सकें, तो इससे उन्हें अधिक अभ्यास करने और इस तरह अधिक सीखने की प्रेरणा मिलेगी।

गतिविधि 3: अपने छात्रों के लिखित काम को सुधारना

अपने छात्रों के लिखित काम को सुधारने के प्रबंधन के लिए आप विविध प्रकार की तकनीकों का उपयोग कर सकते हैं। नीचे दी गई तालिका 1 के समान फार्म का उपयोग करके योजना बनाएं कि आप इसे अगले महीने भर में कैसे करने जा रहे हैं। (इस बारे में फीडबैक के उपयोग को ध्यान में रखते हुए ऐसी कार्यनीतियों के बारे में सोचना चाहिए जो इस बात पर केंद्रित हों कि छात्र कैसे सुधार कर सकते है)।

तालिका 1 *अपने छात्रों के लिखित काम को सुधारना।*

कक्षा और अध्याय:				
सप्ताह	**सुधारा जाने वाला लिखित काम**	**मैं इसे कैसे सुधारूँगा?**	**मैं किसके काम को सुधारूँगा?**	**इसे कैसे आगे ले जाया जाय?**
1				
2				
3				

4				

तालिका 2 में एक पूरे किए गए फार्म का उदाहरण दर्शाया गया है।

तालिका 2 *अपने छात्रों के लिखित काम को सुधारना – पूरा किया गया उदाहरण।*

कक्षा और अध्याय:		Class X, *Beehive* Chapter 5, 'The Snake and the Mirror'		
सप्ताह	**सुधारा जाने वाला लिखित काम**	**मैं इसे कैसे सही करूँगा?**	**मैं किसके काम को सही करूँगा?**	**इसे कैसे आगे ले जाया जाय?**
1	अध्याय के बारे में प्रश्नों के उत्तर देना छात्र जोड़ियों में उत्तर लिखते हैं	जब छात्र लिख रहे हों तब कमरे में घूमें और जितने संभव हो उतने उत्तरों को सही करें सारी कक्षा के साथ सही उत्तरों की समीक्षा करना	मैंने काफी समय से कमरे में पीछे बैठे छात्रों को नहीं देखा है – मैं उनके काम पर एक नज़र डालूँगा	जो छात्र कठिनाई में लगते हैं उन्हें अतिरिक्त सहायता दें
2	Reported Speech पर व्याकरण का अभ्यास	ब्लैकबोर्ड पर सही उत्तर लिखें छात्र अपने स्वयं के काम में सुधार करते हैं		छात्रों को इस बात का बोध होता है कि क्या उन्हें इस क्षेत्र में अधिक काम करने की जरूरत है जिन्हें जरूरत हो उन्हें आगे का अभ्यास सुझाएं
3	जोड़ी में लिखवाना	छात्र एक दूसरे के काम को सही करने के लिए पाठ्यपुस्तक का उपयोग करते हैं		छात्र स्पेलिंग की गलतियों को नोट करके उन पर काम करते हैं
4	चित्र के आधार पर कहानी लिखना छात्र जोड़ियों में कहानियाँ लिखते हैं	दस जोड़ियों से कहानियाँ लें और उन्हें सही करें	नाम: राजू, निमिषा, अब्दुल, आलिया, नीलम, ब्रजेश, सुमन, अशरफ, रवींदर, रीना	छात्रों को भूत काल के साथ समस्याएं हुई अगली कक्षा में समीक्षा करें

विचार के लिए रुकें

अपनी योजना का पालन एक महीने तक करने के बाद, इन प्रश्नों के उत्तर दें:

- योजना का पालन करना कितना आसान था? यदि वह आसान नहीं था, तो आप उसे कैसे बदल सकते हैं?
- आप अपने छात्रों के कितने काम की समीक्षा करने और सही करने में सफल रहे?

इस तरह की योजनाएं बनाना उपयोगी होता है ताकि आपको पता रहे कि आपके छात्र कब लिखित काम करने जा रहे हैं, और आप विभिन्न छात्रों के काम की समीक्षा कर सकें। महीनों के बीतने के साथ, आप अपने सारे छात्रों के काम की समीक्षा और उनकी प्रगति की निगरानी करेंगे। इस तरह आप को और उन्हें दोनों को अपनी शक्तियों और सुधार के लिए क्षेत्रों का बेहतर बोध मिलेगा, और आप देख सकेंगे कि आपको अपने शिक्षण को कहाँ पर केंद्रित करने की जरूरत है। लिखित काम को सही करने, प्रतिक्रिया देने और उसका उपयोग आकलन के प्रयोजनों के लिए करने के बारे में जानकारी के लिए इकाई *निर्माणात्मक आकलन के माध्यम से भाषा सीखने में सहायता करना* देखें।

यदि आपकी योजना ने उस तरह से काम नहीं किया है जैसी आपको उससे उम्मीद थी, तो एक और योजना बनाएं और कुछ अलग तकनीकों का प्रयोग करें – देखें कि आप और आपकी कक्षा के लिए क्या चीज सर्वोत्तम ढंग से काम करती है। महत्वपूर्ण चीज है अपने छात्रों को यथा संभव सकारात्मक और प्रोत्साहक प्रतिक्रिया देने का प्रयास करते रहना ताकि वे सुधार करना जारी रख सकें।

5 सारांश

पाठों की नकल करने और याद करने से हटकर उन्हें अपने उत्तर और रचनाएं लिखने में आप अपने छात्रों की मदद कर सकते हैं। बोध संबंधी प्रश्नों के लिए उनके अपने उत्तरों की रचना करने में आप उनकी मदद निम्न तरह से कर सकते हैं:

- उन्हें अपने उत्तरों के बारे में सोचने के लिए समय देकर
- अपने उत्तरों पर चर्चा करके उनकी रचना करने के लिए उन्हें समूहों में काम करने को प्रोत्साहित करके
- ऐसे मॉडल और लेखन ढाँचे प्रदान करके जिन्हें वे अपनी क्षमताओं और आत्मविश्वास के अनुसार ढाल सकते हैं।

अगर वे अपने स्वयं के शब्दों का प्रयोग करके लिखते हैं तो वे अधिक गलतियाँ करेंगे, लेकिन यह सीखने की प्रक्रिया का अंग है। अपने छात्रों को लिखित काम को प्रबंधन करने के लिए आप अलग अलग कार्यनीतियों का उपयोग कर सकते हैं और उनकी गलतियों को सीखने के अवसरों के रूप में उपयोग में ला सकते हैं।

समय के साथ और अभ्यास से, आपके छात्र उस आत्मविश्वास और कौशल का विकास करेंगे जिसकी जरूरत अंग्रेजी में स्वतंत्र रूप से पाठों को लिखने के लिए उनको जरूरत पड़ती है।

यदि आप अंग्रेजी में स्वयं अपने लेखन कौशलों का विकास करना चाहते हैं, तो संसाधन 4 देखें। यदि आप लेखन पढ़ाने के बारे में अधिक पढ़ने में रुचि रखते हैं, तो अतिरिक्त संसाधन खंड देखें।

इस विषय पर अन्य माध्यमिक अंग्रेजी शैक्षिक विकास इकाइयाँ ये हैं:

- *अपने लेखन कौशलों को विकसित करने में छात्रों की मदद करना.* इस इकाई में आप अधिक लंबे पाठ लिखने में छात्रों की सहायता करने, और अपने लेखन कौशलों को विकसित करने में उनकी मदद करने के तरीकों के बारे में अधिक सीख सकते हैं।
- *निर्माणात्मक आकलन के माध्यम से भाषा सीखने में सहायता करना.* इस इकाई में आप लिखित काम पर प्रतिक्रिया देने और उसका आकलन करने के बारे में सीख सकते हैं।

संसाधन

संसाधन 1: समूहकार्य का उपयोग करना

समूहकार्य एक व्यवस्थित, सक्रिय, अध्यापन कार्यनीति है जो छात्रों के छोटे समूहों को एक आम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मिलकर काम करने को प्रोत्साहित करती है। ये छोटे समूह संरचित गतिविधियों के माध्यम से अधिक सक्रिय और अधिक प्रभावी अधिगम को बढ़ावा देते हैं।

समूहकार्य के लाभ

समूहकार्य विद्यार्थियों को सोचने, संवाद कायम करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करके सीखने हेतु उन्हें प्रेरित करने का बहुत ही प्रभावी तरीका हो सकता है। आपके विद्यार्थी दूसरों को सिखा भी सकते हैं और उनसे सीख भी सकते हैं: यह जो सीखने का एक बेहद सशक्त और सक्रिय तरीका है।

समूहकार्य में छात्रों का समूहों में बैठना ही काफी नहीं होता है; इसमें स्पष्ट उद्देश्य के साथ सीखने के साझा कार्य पर काम करना और उसमें योगदान करना शामिल होता है। आपको इस बारे में स्पष्ट होना होगा कि आप सीखने के लिए सामूहिक कार्य का उपयोग क्यों कर रहे हैं और जानना होगा कि यह भाषण देने, जोड़े में कार्य या विद्यार्थियों के स्वयं कार्य करने से बेहतर क्यों है। इस तरह समूहकार्य को सुनियोजित और उद्देश्यपूर्ण होना आवश्यक है।

समूहकार्य का नियोजन करना

आप समूहकार्य का उपयोग कब और कैसे करेंगे यह इस बात पर निर्भर करेगा कि पाठ के अंत में आप अधिगम के किस लक्ष्य को पाना चाहते हैं। आप समूहकार्य को पाठ के आरंभ में, अंत में या बीच में शामिल कर सकते हैं, लेकिन आपको पर्याप्त समय का प्रावधान करना होगा। आपको उस कार्य के बारे में जो आप अपने छात्रों से पूरा करवाना चाहते हैं और समूहों को नियोजित करने के सर्वोत्तम ढंग के बारे में सोचना होगा।

एक अध्यापक के रूप में, आप समूहकार्य की सफलता सुनिश्चित कर सकते हैं यदि आप निम्न की योजना पहले ही बना लेते हैं।

- सामूहिक गतिविधि के लक्ष्य और अपेक्षित परिणाम
- किसी भी फीडबैक या सारांश कार्य सहित, गतिविधि के लिए आबंटित समय
- समूहों को कैसे विभाजित करना है (कितने समूह, प्रत्येक समूह में कितने छात्र, समूहों के लिए मापदंड)
- समूहों को कैसे नियोजित करना है (समूह के विभिन्न सदस्यों की भूमिका, आवश्यक समय, सामग्रियाँ, रिकार्ड करना और रिपोर्ट करना)
- कोई भी आकलन कैसे किया और रिकार्ड किया जाएगा (व्यक्तिगत आकलनों को सामूहिक आकलनों से अलग पहचानने का ध्यान रखें)
- समूहों की गतिविधियों पर आप कैसे निगरानी रखेंगे।

समूहकार्य के काम

वह काम जो आप अपने छात्रों से पूरा करने के लिए कहते हैं वह इस पर निर्भर होता है कि आप उन्हें क्या सिखाना चाहते हैं। समूहकार्य में भाग लेकर, वे एक-दूसरे को सुनने, अपने विचारों को समझाने और आपसी सहयोग से काम करने जैसे कौशल सीखेंगे। हालांकि, उनके लिए मुख्य लक्ष्य है जो विषय आप पढ़ा रहे हैं उसके बारे में कुछ सीखना। कार्यों के कुछ उदाहरणों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:

- **प्रस्तुतीकरण :** छात्र समूहों में काम करके शेष कक्षा के लिए प्रस्तुतीकरण तैयार कर सकते हैं। यह सबसे अधिक उपयोगी तब होता है जब प्रत्येक समूह के पास विषय का भिन्न पहलू होता है, जिससे वे एक ही विषय को कई बार सुनने की बजाय एक दूसरे की बात सुनने के लिए प्रेरित होते हैं। प्रस्तुतीकरण करने के लिए प्रत्येक समूह को दिये गये समय के बारे में प्रतिबद्ध रहें। अच्छे प्रस्तुतीकरण के लिए मापदंडों का एक सेट निश्चित करें। इन्हें पाठ से पहले बोर्ड पर लिखें। छात्र मापदंडों का उपयोग अपने प्रस्तुतीकरण की योजना बनाने और एक दूसरे के काम का आकलन करने के लिए कर सकते हैं। इन मापदंडों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:
    - क्या प्रस्तुतीकरण स्पष्ट था?
    - क्या प्रस्तुतीकरण सुसंरचित था?
    - क्या मैंने प्रस्तुतीकरण से कुछ सीखा?
    - क्या प्रस्तुतीकरण ने मुझे सोचने पर मजबूर किया?
- **समस्या को हल करना:** छात्र किसी समस्या या समस्याओं की एक शृंखला को हल करने के लिए समूहों में काम करते हैं। इसमें विज्ञान का कोई प्रयोग करना, गणित की समस्याएं हल करना, अंग्रेजी कहानी या कविता का विश्लेषण करना, या इतिहास के साक्ष्य का विश्लेषण करना शामिल हो सकता है।
- **कोई कलाकृति या उत्पाद तैयार करना :** छात्र समूहों में काम करके किसी कहानी, नाटक के भाग, संगीत के अंश, किसी अवधारणा को समझाने के लिए मॉडल, किसी मुद्दे पर समाचार रिपोर्ट या जानकारी का सारांश बनाने या अवधारणा को समझाने के लिए पोस्टर का विकास कर सकते हैं। समूहों को किसी नए विषय के आरंभ में मंथन करने या मस्तिष्क में रूपरेखा बनाने के लिए पाँच मिनट देने से आपको इस बारे में बहुत जानकारी मिलेगी कि उन्हें पहले से क्या पता है, और आपको पाठ को उपयुक्त स्तर पर स्थापित करने में सहायता मिलेगी।
- **विभेदित कार्य:** समूहकार्य विभिन्न आयु या दक्षता स्तरों के छात्रों को किसी उपयुक्त लक्ष्य हेतु मिलकर काम करने देने का अवसर है। उच्च दक्षता वाले विद्यार्थी काम को समझाने के अवसर से लाभ उठा सकते हैं, जबकि कम दक्षता वाले विद्यार्थियों के लिए कक्षा की बजाय समूह में प्रश्न पूछना अधिक आसान हो सकता है, और वे अपने सहपाठियों से सीखेंगे।
- **चर्चा:** छात्र किसी मुद्दे पर विचार करते हैं और एक निष्कर्ष पर पहुँचते हैं। इसके लिए आपको अपनी ओर से काफी तैयारी करनी होगी ताकि सुनिश्चित हो सके कि विभिन्न विकल्पों पर विचार करने के लिए छात्रों के पास पर्याप्त ज्ञान है, लेकिन चर्चा या वाद–विवाद का आयोजन आप के और उन के लिए बहुत उपयोगी हो सकता है।

समूहों का नियोजन करना

चार से आठ के समूह आदर्श होते हैं किंतु यह आपकी कक्षा, भौतिक पर्यावरण और फर्नीचर, तथा आपके विद्यार्थियों की दक्षता और उम्र के दायरे पर निर्भर करेगा। आदर्श रूप से समूह में हर एक के लिए एक दूसरे से मिलना, बिना चिल्लाए बात करना और समूह के परिणाम में योगदान करना आवश्यक होगा।

- तय करें कि आप छात्रों को समूहों में कैसे और क्यों विभाजित करेंगे; उदाहरण के लिए, आप समूहों को मित्रता, रुचि या समान अथवा मिश्रित दक्षता के अनुसार बाँट सकते हैं। भिन्न तरीकों से प्रयोग करें और समीक्षा करें कि प्रत्येक कक्षा के लिए क्या सर्वोत्तम है।
- योजना बनाएं कि आप समूह के सदस्यों को कौन सी भूमिकाएं देंगे (उदाहरण के लिए, नोट लेने वाला, प्रवक्ता, टाइम कीपर या उपकरणों का संग्रहकर्ता) और आप इसे कैसे स्पष्ट करेंगे।

समूहकार्य का प्रबंधन करना

आप अच्छे समूहकार्य के प्रबंधन के लिए क्रियाकलाप और नियम तय कर सकते हैं। जब आप नियमित रूप से समूहकार्य का उपयोग करते हैं, तो छात्रों को पता चल जाएगा कि आप क्या अपेक्षा करते हैं और वे कार्य करने में आनन्द का अनुभव करेंगे। टीमों और समूहों में काम करने के लाभों की पहचान करने के लिए आरंभ में कक्षा के साथ काम करना एक अच्छा विचार है। आपको चर्चा करनी चाहिए कि समूहकार्य में अच्छा व्यवहार क्या होता है और संभव हो तो 'नियमों' की एक सूची बनाएं जिसे प्रदर्शित किया जा सकता है; उदाहरण के लिए, 'एक दूसरे के लिए सम्मान', 'सुनना', 'एक दूसरे की सहायता करना', 'एक से अधिक विचार को आजमाना', आदि।

समूहकार्य के बारे में स्पष्ट मौखिक निर्देश देना महत्वपूर्ण है जिसे ब्लैकबोर्ड पर संदर्भ के लिए लिखा भी जा सकता है। आपको:

- अपनी योजना के अनुसार अपने छात्रों को उन समूहों की ओर निर्देशित करना होगा जिनमें वे काम करेंगे। ऐसा आप शायद कक्षा में उन स्थानों को निर्दिष्ट करके कर सकते हैं जहाँ वे काम करेंगे या किसी फर्नीचर या स्कूल बैगों को हटाने के बारे में अनुदेश देकर कर सकते हैं।
- कार्य के बारे में बहुत स्पष्ट होना चाहिए और उसे बोर्ड पर लघु अनुदेशों या चित्रों के रूप में लिखना चाहिए। अपने शुरू करने से पहले विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने की अनुमति प्रदान करें।

पाठ के दौरान, यह देखने और जाँच करने के लिए घूमें कि समूह किस तरह से काम कर रहे हैं। यदि वे कार्य से विचलित हो रहे हैं या अटक रहे हैं तो जहाँ जरूरत हो वहाँ सलाह प्रदान करें।

आप कार्य के दौरान समूहों को बदल सकते हैं। जब आप समूहकार्य के बारे में आत्मविश्वास महसूस करने लगें तब दो तकनीकें आजमाई जा सकती हैं – वे बड़ी कक्षा को प्रबंधित करते समय खास तौर पर उपयोगी होती हैं:

- **'विशेषज्ञ समूह':** प्रत्येक समूह को एक अलग कार्य दें, जैसे विद्युत उत्पन्न करने के एक तरीके पर शोध करना या किसी नाटक के लिए किरदार विकसित करना। एक उपयुक्त समय के बाद, समूहों को इस प्रकार पुनर्गठित करें कि प्रत्येक नया समूह सभी मूल समूहों से एक सदस्य (विशेषज्ञ) से युक्त हो। फिर उन्हें एक कार्य दें जिसमें सभी विशेषज्ञों की जानकारी को एकत्र करना होता है, जैसे निश्चय करना कि किस प्रकार का पॉवर स्टेशन बनाना या नाटक का अंश तैयार किया जाये।
- **'संदेशवाहक':** यदि कार्य में कोई चीज बनाना या किसी समस्या को हल करना शामिल है, तो कुछ समय बाद, प्रत्येक समूह से किसी अन्य समूह में एक संदेशवाहक को भेजने के लिए कहें। वे विचारों या समस्या के हलों की तुलना दूसरे समूहों के साथ करके फिर वापस अपने समूह में आ सकते हैं। इस प्रकार, समूह एक दूसरे से सीख सकते हैं।

कार्य के अंत में, जो कुछ सीखा गया है उसका सारांश बनाएं और आपको नज़र आई किसी भी गलतफहमी को सुधारें। आप चाहें तो प्रत्येक समूह का फीडबैक सुन सकते हैं, या केवल एक या दो समूहों से पूछ सकते हैं जिनके पास आपको लगता है कि कुछ अच्छे विचार हैं। छात्रों की रिपोर्ट करने की प्रक्रिया को संक्षिप्त रखें और उन्हें अन्य समूहों के काम पर फीडबैक देने को प्रोत्साहित करें जिसमें वे पहचान सकते हैं कि क्या अच्छा किया गया था, क्या बात दिलचस्प थी और किस बात को और विकसित किया जा सकता था।

यदि आप अपनी कक्षा में समूहकार्य को अपनाना चाहते हैं तो भी आपको कभी-कभी इसका नियोजन कठिन लग सकता है क्योंकि कुछ विद्यार्थी :

- सक्रिय अधिगम का प्रतिरोध करते हैं और उसमें शामिल नहीं होते
- हावी होने वाली प्रकृति के होते हैं
- अंतर्वैयक्तिक कौशलों की कमी या आत्मविश्वास के अभाव के कारण भाग नहीं लेते।

सीखने के परिणाम कहाँ तक प्राप्त हुए और आपके छात्रों ने कितनी अच्छी तरह से अनुक्रिया की (क्या वे सभी लाभान्वित हुए) इस पर विचार करने के अलावा, समूहकार्य के प्रबंधन में प्रभावी बनने के लिए उपरोक्त सभी बिंदुओं पर विचार करना महत्वपूर्ण होता है। सामूहिक कार्य, संसाधनों, समय या समूहों की रचना में आप द्वारा किए जा सकने वाले समायोजनों पर सावधानी से विचार करें और उनकी योजना बनाएं।

शोध से पता चला है कि छात्रों की उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पाने के लिए समूहों में सीखने का हर समय उपयोग करना आवश्यक नहीं है, इसलिए आपको हर पाठ में उसका उपयोग करने के लिए बाध्य महसूस नहीं करना चाहिए। आप चाहें तो समूहकार्य का उपयोग एक पूरक तकनीक के रूप में कर सकते हैं, उदाहरण के लिए विषय परिवर्तन के बीच अंतराल या कक्षा में चर्चा को अकस्मात शुरु करने के साधन के रूप में कर सकते हैं। इसका उपयोग विवाद को हल करने या कक्षा में अनुभवजन्य शिक्षण गतिविधियाँ और समस्या का हल करने के अभ्यास शुरू करने या विषयों की समीक्षा करने के लिए भी किया जा सकता है।

संसाधन 2: एक पत्र का नमूना लेखन ढाँचा जिसका उपयोग आप अपने छात्रों की स्वतंत्र रूप से लिखने में मदद करने के लिए कर सकते हैं

सेवा में

प्रधानाध्यापिका,
डी.डी.बी गर्ल्स हाई स्कूल,
गोलाघाट

दिनांक: 1 जून 2014

विषय: अनुपस्थिति की छुट्टी के लिए अनुरोध

महोदया,

मैं आपको सूचित करना चाहती हूँ कि मैं 28 और 29 मई 2014 को अपनी कक्षाओं में उपस्थित नहीं हो सकी क्योंकि मैं बुखार से ग्रस्त थी। आपके विचार करने के लिए एक चिकित्सा प्रमाणपत्र इस आवेदन पत्र के साथ संलग्न है।

मुझे आशा है आप इन दो दिनों के लिए मुझे अनुपस्थिति की छुट्टी देने की कृपा करेंगी।

भवदीय,

बर्शा दत्ता
रोल नं. 32
कक्षा 9 ए

संसाधन 3: निगरानी करना और फीडबैक देना

छात्रों का प्रदर्शन सुधारने के लिए सतत अनुश्रवण करने और उन्हें उत्तर देने की ज़रुरत होती है, ताकि वे जान सकें कि उनसे क्या अपेक्षाएं हैं। साथ ही काम पूरा करने के बाद उन्हें फीडबैक भी दें। आपकी रचनात्मक प्रतिक्रिया से वे अपना प्रदर्शन सुधार सकते हैं।

निगरानी करना

प्रभावी शिक्षक अधिकतर अपने छात्रों की निगरानी करते हैं। आमतौर पर, ज्यादातर शिक्षक छात्रों की बातें सुनकर और कक्षा में वे क्या कर रहे हैं, इसका अवलोकन करके उनके कार्य की निगरानी करते हैं। छात्रों की प्रगति की निगरानी करना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उन्हें इन कामों में मदद मिलती है:

- ऊंचे ग्रेड हासिल करने में
- अपने प्रदर्शन के बारे में अधिक सजग बनने और अपने सीखने के बारे में ज्यादा ज़िम्मेदार बनने में
- अपने सीखने में सुधार करने में
- प्रादेशिक और स्थानीय मानकीकृत (Standardised)परीक्षाओं में उपलब्धि का पूर्वानुमान लगाने में।

एक शिक्षक के रूप में आपको भी यह तय करने में मदद मिलेगी कि:

- कब प्रश्न कब पूछना है या कब उत्साहवर्धन करना है।
- कब प्रशंसा करनी है
- कब चुनौती देनी है
- किसी कार्य में छात्रों के अलग अलग समूहों को कैसे शामिल करना है
- गलतियों के लिए क्या करना है।

जब छात्रों को उनकी प्रगति के बारे में एक स्पष्ट और त्वरित फीडबैक दिया जाता है तब उनमें सबसे ज्यादा सुधार होता है। निगरानी रखने से आप नियमित रूप से फीडबैक देने में सक्षम होंगे। इससे आपके बच्चों को यह पता चलेगा कि उनका प्रदर्शन कैसा है और अपने अधिगम को बढ़ाने के लिए उन्हें और क्या करना होगा।

आपको जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, उनमें से एक यह है कि छात्रों की सहायता किस प्रकार की जाए, जिससे वे स्वयं के सीखने के लक्ष्य निर्धारित कर सकें, इस आत्म–अनुश्रवण भी कहा जाता है। बच्चों को, खासतौर पर उन्हें जिन्हें पढ़ने में कठिनाई हो रही हो, अपने सीखने पर स्वयं नियंत्रण रखने की आदत नहीं होती है। लेकिन आप किसी भी छात्र की मदद कर सकते हैं, जिससे वे किसी प्रोजेक्ट के लिए अपने लक्ष्य या ध्येय खुद तय कर सकें, अपने कार्य की योजना बना सके, काम पूरा करने की अंतिम तिथि निर्धारित कर सकें तथा अपनी प्रगति का निरीक्षण खुद कर सकें। इस प्रक्रिया का अभ्यास करने और आत्म निरीक्षण के कौशल में महारत हासिल करने से उन्हें स्कूल के अलावा अपने पूरे जीवन में भी मदद मिलेगी।

विद्यार्थियों की बात सुनना और अवलोकन करना

अधिकांशतः बच्चों को सुनने और उनका अवलोकन करने का काम शिक्षक स्वाभाविक रूप से करते हैं। यह निगरानी करने का एक सरल साधन है। उदाहरण के लिए आप:

- अपने छात्रों को सस्वर पढ़ते समय सुन सकते हैं
- जोड़ियों में या समूहकार्य में चर्चाओं को सुन सकते हैं
- कक्षा में या बाहर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते समय छात्रों का अवलोकन कर सकते हैं
- जब वे समूह कार्य कर रहे हों, तब उनके हावभाव (body language) का अवलोकन कर सकते हैं।

सुनिश्चित करें कि आप जो अवलोकन एकत्रित करते हैं, वे छात्र के सीखने या प्रगति के वास्तविक प्रमाण हैं। केवल वही लिखें, जो आप देख सकते हैं, सुन सकते हैं, निर्धारित कर सकते हैं या गिन सकते हैं।

जब छात्र काम कर रहे हों, तब अपनी कक्षा का चक्कर लगाकर संक्षिप्त अवलोकन टिप्पणियाँ लिखें। आप एक कक्षा सूची का उपयोग करके यह दर्ज कर सकते हैं कि किन–किन छात्रों को अधिक मदद की ज़रुरत है और यदि कोई गलतफहमी उभर रही है, तो उसे भी दर्ज कर सकते हैं। आप इन अवलोकनों और टिप्पणियों का उपयोग पूरी कक्षा को फीडबैक देने या समूहों या व्यक्तियों को आगे बढ़ाने और प्रोत्साहन देने के लिए कर सकते हैं।

फीडबैक देना

फीडबैक वह जानकारी है, जो आप किसी बच्चे को इस बारे में देते हैं कि एक दिये गये लक्ष्य या अपेक्षित परिणाम के सापेक्ष उन्होंने कैसा प्रदर्शन किया है। प्रभावी ढंग से दिए गए फीडबैक से बच्चों को–

- क्या हुआ है इसकी जानकारी मिलती है
- कोई क्रिया या कार्य कितनी अच्छी तरह किया गया इसका मूल्यांकन पता लगता है
- इस बारे में मार्गदर्शन मिलता है कि उनका प्रदर्शन किस प्रकार सुधारा जा सकता है।

जब आप प्रत्येक छात्र को फीडबैक देते हैं, तो इससे उन्हें यह जानने में मदद मिलनी चाहिए कि:

- वे वास्तव में क्या कर सकते हैं
- वे अभी क्या नहीं कर सके
- दूसरों की तुलना में उनका काम कैसा है
- वे इसमें सुधार कैसे कर सकते हैं।

यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि प्रभावी ढंग से दी गई प्रतिक्रिया से छात्रों को मदद मिलती है। आप नहीं चाहेंगे कि आपका फीडबैक अस्पष्ट या पक्षपाती हो, जिसके कारण छात्र सीखना बंद कर दें। प्रभावी फीडबैक होता है।

- केंद्रित उन कामों पर, जो किए जा रहे हैं और इस पर कि छात्र को क्या सीखना होगा
- स्पष्ट और ईमानदार, जो छात्रों को यह बताता है कि उनके सीखने के तरीके में क्या अच्छा है और किस में सुधार ज़रूरी है
- करने योग्य जो छात्रों से कुछ ऐसा करने को कहता है, जिसे वे कर पाने में सक्षम हैं
- इस तरह दिया जाता कि उसकी भाषा उपयुक्त हो, ताकि छात्र उसे समझ सकें
- सही समय पर दिया गया हो – यदि यह बहुत जल्दी दिया जाता है, तो छात्र को लगेगा कि 'मैं तो बस ये करने ही वाला था!'; अगर बहुत देर से दिया जाए तो विद्यार्थियों का ध्यान कहीं और चला गया होगा और वे वापस जाकर फिर से वह नहीं करना चाहेंगे, जो करने को कहा गया था।

फीडबैक चाहे मौखिक हो, या छात्रों की वर्कबुक में लिखकर दिया जाए, यदि इसके लिए निम्नलिखित दिशानिर्देशों का पालन किया जाता है, तो यह अधिक प्रभावी बन जाता है।

प्रशंसा और सकारात्मक भाषा का उपयोग करना

जब हमारी प्रशंसा की जाती है और हमें प्रोत्साहित किया जाता है तो आमतौर पर हम उस समय के मुकाबले बेहतर महसूस करते हैं, जब हमारी आलोचना की जाती है या हमारी गलती सुधारी जाती है। सुदृढ़ीकरण और सकारात्मक भाषा समूची कक्षा और सभी उम्र के व्यक्तियों के लिए प्रेरणादायक होती है। याद रखें कि प्रशंसा विशिष्ट और कार्य पर आधारित होनी चाहिए, किसी बच्चे पर आधारित नहीं, अन्यथा इससे बच्चों को प्रगति में मदद नहीं मिलेगी जैसे : 'बहुत बढ़िया' सटीक टिप्पणी नहीं है, इसलिए निम्नलिखित में से कुछ कहना बेहतर होगा:

संकेत देने के साथ-साथ सुधार का उपयोग करना

आप बच्चों के साथ जो बातचीत करते हैं, उससे उन्हें सीखने में मदद मिलती है। यदि आप उन्हें सिर्फ यह बताते हैं कि कोई उत्तर गलत है और बात वहीं ख़त्म कर देते हैं, तो सोचने और कोशिश करने में उनकी मदद करने का मौका गँवा देंगे। यदि आप बच्चों को कोई संकेत देते हैं और उनसे आगे भी प्रश्न पूछते हैं, तो इससे आप उन्हें ज्यादा गहराई से सोचने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, साथ ही उन्हें उत्तर ढूँढने तथा खुद के अधिगम की ज़िम्मेदारी उठाने के लिए प्रेरित करते हैं। उदहारण के लिए, आप इस तरह की बातें बोलकर एक बेहतर उत्तर के लिए प्रोत्साहन दे सकते हैं या समस्या के किसी अलग पहलू की तरफ संकेत कर सकते हैं:

विद्यार्थियों को एक दूसरे की मदद करने के लिए प्रोत्साहित करना भी अच्छा तरीका हो सकता है। ऐसा करने के लिए आप बाकी की कक्षा से अपने सवाल पूछने से पहले कुछ इस तरह की टिप्पणियां कर सकते हैं।

'हाँ' या 'नहीं' कहकर छात्रों के उत्तर सुधारना स्पेलिंग या संख्या अभ्यास जैसे कार्यों के लिए उपयुक्त हो सकता है, लेकिन इसके बावजूद यहाँ आप छात्रों को उनके उत्तरों में उभरने वाले पैटर्न देखने, उसी तरह के उत्तरों के साथ संबंध जोड़ने या इस बारे में चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं कि कोई विशिष्ट उत्तर क्यों गलत है।

अपने काम को खुद सुधारने का या किसी साथी द्वारा सुधार किए जाने का प्रभाव ज्यादा पड़ता है। आप जोड़ियों में काम कर रहे बच्चों को अपना खुद का काम और दूसरों के काम जाँचने को कहकर उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। एक बार में एक पहलू को सुधारने पर ध्यान केंद्रित करना सबसे अच्छा है ताकि बहुत ज्यादा जानकारी के कारण भ्रम की स्थिति न उत्पन्न हो जाए।

संसाधन 4: स्वयं अपनी अंग्रेज़ी का विकास करें

आपके अपने लेखन कौशलों को विकसित करने के लिए यहाँ कुछ सुझाव प्रस्तुत हैं:

- जितनी संभव हो उतनी अधिक अंग्रेजी पढ़ें। अच्छे लेखक अक्सर अच्छे पाठक भी होते हैं! यथासंभव अधिक पढ़ना अपनी शब्दावली और भाषा के उपयोग को विकसित करने में आपकी मदद करेगा।
- आपसे जितना अधिक संभव हो उतना अंग्रेजी में लिखें – खरीददारी की सूचियाँ, डायरियाँ, नोट्स – जो भी आपसे हो सके। इससे लेखन में आत्मविश्वास विकसित करने में आपको मदद मिलेगी, और आप धारा प्रवाह अंग्रेजी बोल सकेंगे।
- याद रखें कि जब आप कुछ लिखते हैं तो अपना समय ले सकते हैं। आप जितने चाहें उतने मसौदे लिख सकते हैं, और अपने स्वयं के काम को दोहरा सकते हैं व उसका संशोधन कर सकते हैं।

और अपने लिखित काम को अपने समकक्षों के साथ साझा करना न भूलें। प्रतिक्रिया प्राप्त करना हमेशा एक अच्छा विचार होता है।

अतिरिक्त संसाधन

- Articles on writing: http://www.teachingenglish.org.uk/articles/writing
- 'Writing matters: getting started' by Adrian Tennant: http://www.onestopenglish.com/skills/writing/writing-matters/writing-matters-getting-started/154745.article
- 'Effective writing across the curriculum': http://orelt.col.org/module/unit/4-effective-writing-across-curriculum

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

National Council of Educational Research and Training (2006a) *Beehive: Textbook in English for Class XI*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm (accessed 16 September 2014).

National Council of Educational Research and Training (2006b) *Honeydew: Textbook in English for Class VIII*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm (accessed 16 September 2014).

अभिस्वीकृतियाँ

यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है, जब तक कि अन्यथा की पहचान न हो। यह लाइसेंस TESS-India, OU और UKAID लोगो के उपयोग को वर्जित करता है, जिनका उपयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर अपरिवर्तित रूप से किया जा सकता है।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और छात्रों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।